तर्ज- अब सौंप दिया इस जीवन का

श्री प्राणनाथ पूर्णब्रह्म ने
सब धर्मों का झगड़ा मिटाया है
है सोई खुदा सोई पूर्णब्रह्म
ये अनोखा ज्ञान सुनाया है

1- ये दुनिया आदि अनादि से थी
आवागमन के चक्कर में
ब्रह्म ज्ञान की अखंड वाणी से
त्रैगुण का फंद छुड़ाया है

2- सब कहते हैं इक पूर्ण ब्रह्म
पर है वो कौन मिटा न भरम
अपनी पहचान बता करके
निजघर का रस्ता बताया है

3- श्री विजयाभिनंदन प्राणनाथ
नर तन में पधारे हैं साक्षात
धन्य कलियुग और धन्य भरतखंड
जहाँ आपने फेरा लगाया है

4- हम सुन्दरसाथ हैं अंग उनके
भूले हैं माया का संग करके
हम परमधाम से आये हैं
हम सबको ये समझाया है

Nijanand App